भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4147 का उत्तर

रेलगाड़ियों में सैनिक बोगियां

4147. श्री राजकुमार रोत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में कोरोना काल से पहले चलने वाली रेलगाड़ियों में अलग से सैनिक बोगियां लगी हुई थीं तथा वर्तमान में ऐसी बोगियों को हटा दिया गया है और यदि हां, तो सैनिक बोगियों वाली रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में जम्मू-कश्मीर से चलने वाली रेलगाड़ियों में सैनिकों के लिए कितनी बोगियां आरक्षित हैं;

(ग) क्या सरकार का ऐसी आरक्षित बोगियों की संख्या बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सैनिकों को अपने लिए अलग से बोगियों की कमी तथा कन्फर्म सीटें न मिलने के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ता है;

(ङ) क्या सरकार का जम्मू-कश्मीर से विशेष "सैनिक रेलगाड़ी" चलाने का विचार है;

(च) यदि हां, तो इसे कब तक चलाया जाएगा; और

(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): रक्षा कार्मिकों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने तथा उपलब्ध स्थान का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, रक्षा विभाग के अनुरोध के आधार पर तथा

sk

रेलगाड़ी की अधिभोगता को ध्यान में रखते हुए, मेल/एक्सप्रेस में आरक्षित रेल डिब्बों की विभिन्न श्रेणियों में कोटा निर्धारित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, यदि आवश्यक हो, तो रक्षा कार्मिकों की आवाजाही के लिए पूरी रेल गाड़ी भी बुक की जाती है।

******